लापरवाही | निर्माणाधीन ओवरब्रिज रोड सवालों के घेरे में, गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य से ग्रामीणों में आक्रोश

भूड़गाटोला में कमजोर नींव पर खड़ा 'विकास'!

करंजिया , नवभारत 29 मार्च। ब्लॉक की रैतवार पंचायत के भूड़गाटोला गांव में इन दिनों निर्माणाधीन ओवरब्रिज रोड सवालों के घेरे में है।

कर्मण्डल नदी के पास बन रहे इस सड़क और पुल निर्माण में भारी लापरवाही और घटिया गुणवत्ता के आरोप सामने आ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि जहां यह निर्माण गांव के विकास का प्रतीक बनना था, वहीं अब यह ग्रामीणों के लिए खतरे की घंटी बन गया है।

बेस ही कमजोर, तो कैसे टिकेगा पुल?

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि निर्माण की नींव ही कमजोर रखी जा रही है। जहां मजबूत बेस किसी भी पुल और सड़क की उम्र तय करता है, वहीं यहां मिट्टी और मुरम को बिना उचित कम्पैक्शन के डालकर खानापूर्ति की जा रही है। कई जगहों पर सतह असमान है और निर्माण मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है—क्या यह पुल पहली बारिश भी झेल पाएगा?

बारिश में बन सकता है मौत का जाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह काम चलता रहा, तो बारिश के मौसम में सड़क धंसने और पुल में दरार आने की पूरी आशंका है। भारी वाहनों का दबाव इस कमजोर ढांचे को कभी भी धराशायी कर सकता है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। यानी विकास के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

निगरानी गायब, जिम्मेदार कौन?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस निर्माण की निगरानी कौन कर रहा है? ग्रामीणों के मुताबिक, न तो कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नजर आता है और न ही किसी तरह का तकनीकी निरीक्षण हो रहा है। जबकि ऐसे कार्यों में नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य होती है। यह लापरवाही कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करती है।

ग्रामीणों में डर और गुस्सा

भूड़गाटोला के लोगों में इस निर्माण को लेकर गहरी चिंता है। उनका कहना है कि अगर समय रहते गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह पुल और सड़क भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

क्या किसी हादसे के बाद जागेगा प्रशासन?

बहरहाल देखना दिलचस्प होगा कि क्या प्रशासन समय रहते जागेगा या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलेगी? फिलहाल भूड़गाटोला में 'विकास' की यह तस्वीर कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

दो प्रतिष्ठानों से तीन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

डिंडौरी, नवभारत 29 मार्च। विगत दिवस सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम ख़ान एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नितिन जायसवाल की संयुक्त टीम ने मंडला बस स्टैंड स्थित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान नीलकंठ होटल से 2 घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडर तथा मनीषा होटल से 1 घरेलू एलपीजी सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में पाया गया। इस प्रकार कुल 3 घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग पाए

जाने पर मौके से सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया गया। जब्त सिलेंडरों को डिंडौरी इंडेन गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया। उक्त कार्रवाई द्रविकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन के तहत की गई है। संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

तंबाकू उत्पाद व पान मसाला की कालाबाजारी चरम पर

▶ निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर इन उत्पादों की बिक्री से आम उपभोक्ता परेशान

डिंडौरी। जिले में इन दिनों तंबाकू उत्पादों और पान मसाला की कालाबाजारी तेजी से बढ़ती नजर आ रही है। बाजार में निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर इन उत्पादों की बिक्री की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कई दुकानदार खुलेआम एमआरपी से अधिक कीमत वसूल रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी बाजारों तक यह स्थिति देखने को मिल रही है, जहां मांग अधिक होने का फायदा उठाकर विक्रेता मनमानी कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि पान मसाला और तंबाकू उत्पादों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी हो गई है, लेकिन प्रशासन की ओर से प्रभावी नियंत्रण नहीं दिख रहा। वहीं, कई दुकानों पर स्टॉक छुपाकर ऊंचे दामों पर बिक्री करने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग–विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि अवैध व्यापार को भी बढ़ावा दे रही है। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि विभाग से मांग की जा रही है कि ऐसे दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए, नियमित निरीक्षण बढ़ाया जाएं और दोषियों के खिलाफ जुर्माना एवं लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलकित बने विप्र समाज के युवा जिला अध्यक्ष

डिंडौरी, नवभारत 29 मार्च। जिला विप्र समाज एवं जिला अध्यक्ष सुधीर दत्त तिवारी की संयुक्त सहमति से नगर के युवा समाजसेवी पुलकित शुक्ला को विप्र समाज डिंडौरी का युवा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं संरक्षक सदस्य दुष्यंत पाठक, सुरेंद्र दुबे, जिला अध्यक्ष सुधीर दत्त तिवारी, सचिव डिम्पल दीक्षित, कोषाध्यक्ष शरद शुक्ला, वरिष्ठ गिरीश तिवारी, लक्ष्मी तिवारी, उपाध्यक्ष बलराम तिवारी, अजीत मिश्रा, पवन शर्मा, कान्हा शर्मा आदि की उपस्थिति रही। सभी ने पुलकित शुक्ला को माला पहनाकर एवं नियुक्ति पत्र प्रदान कर बधाई दी।

बरगांव में हर्षोल्लास से मनाया गया यूकेजी का ग्रेजुएशन डे

▶ नर्मदांचल विद्यापीठ के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

शहपुरा नवभारत 29 मार्च। बरगांव में नर्मदांचल विद्यापीठ बरगांव में बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसी अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए यूकेजी ग्रेजुएशन डे का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नलिन कांत बाजपेयी उपस्थित रहे, जो श्रमजीवी पत्रकार संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में संयोजक के रूप में सक्रिय हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुनील कांत बाजपेयी ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

शिक्षा के साथ संस्कारों के महत्व पर विशेष बल दिया

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के साथ संस्कारों के महत्व पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर विद्यालय समिति सदस्य विक्रम एवं प्रकल्प प्रमुख श्याम भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कक्षा अनुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही बेस्ट अटेंडेंस, बेस्ट परफॉर्मर, मोस्ट हेल्पफुल और डिसिप्लिन अवॉर्ड देकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया।

ग्रेजुएशन ड्रेस ने सभी का मन मोहा

यूकेजी के नन्हे विद्यार्थियों ने ग्रेजुएशन ड्रेस पहनकर मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति एवं बच्चों में दिए जा रहे संस्कारों की सराहना करते हुए कहा कि यहां शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम, मां ज्वाला के दरबार में उमड़ी श्रद्धा

▶ ज्वाला धाम उचेहरा से निकला ऐतिहासिक जवारा जुलूस

उमरिया नवभारत 29 मार्च। जिले के नौरोजाबाद क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्रसिद्ध मां ज्वाला धाम उचेहरा में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आज ऐतिहासिक जवारा जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा क्षेत्र भक्ति में सराबोर नजर आया।

प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचे भक्तों ने मां ज्वाला के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगी। मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर में 9 दिनों तक मां की सेवा में लीन रहकर महाराज द्वारा गोद में जवारे बोए गए। इस दौरान उन्होंने न तो अन्न ग्रहण किया और न ही जल, बल्कि पूरी निष्ठा, तप और समर्पण के साथ मां की उपासना में दिन-रात लगे रहे। महाराज द्वारा अपने नगर, जिला और प्रदेश के साथ-साथ सभी श्रद्धालुओं के परिवारों के सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाल जीवन के लिए मां ज्वाला से प्रार्थना की गई, जिसने पूरे वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। मंदिर से निकला जवारा जुलूस सीधे विसर्जन स्थल पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ जवारों का विसर्जन किया गया। जुलूस के दौरान अपने सिर पर जवारे धारण किए बच्चे, महिलाएं और युवा नंगे पांव आस्था के साथ शामिल हुए।

भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर लिया मां का आशीर्वाद

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं

मां काली के नेतृत्व में निकाली गईं अनेक भव्य झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों की भव्यता ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नवरात्र के नौ दिनों तक मां की उपासना और कन्या पूजन के पश्चात निकाला गया यह जवारा जुलूस आस्था, विश्वास और परंपरा का प्रतीक माना जाता है, जिसमें शामिल होकर श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं।

चिल्हारी में मां काली के विसर्जन जुलूस में उमड़ा जनसैलाब

चिल्हारी। ग्राम चिल्हारी में मां काली की पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन एक अत्यंत भावुक और ऐतिहासिक दृश्य होता है, जहां हज़ारों श्रद्धालु 'अगले बरस जल्दी आना' के नारों के साथ नम आंखों से मां को बिदाई देते हैं। जिले के मानपुर जनपद पंचायत अन्तर्गत धार्मिक स्थल ग्राम चिल्हारी में दो मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई थी। पहली प्रतीमा लल्ला भाई सोनी, जो कि सोने चांदी के व्यापारी हैं और दूसरी प्रतिमा केपी गुप्ता पूर्व प्राचार्य के घर के पास विराजमान थी। 10 दिन शक्ति की भक्ति में पूरा गांव डूबा रहा। 11वें दिन रविवार को मां की देर शाम नम आंखों से बिदाई की गई। ढोल, नगाड़ों, गांजे बाज, रोड लाइट के साथ चल समारोह निकाला गया, जो एक मनोरम दृश्य रहा। श्रद्धालु माता की प्रतिमाओं को अपने कंधों पर उठाकर या सजे-धजे वाहनों में पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ ग्राम भ्रमण के बाद विसर्जन स्थल तक ले गए। 'विसर्जन को चली मोरी माई' जैसे गीतों के साथ माहौल भावुक हो गया था। भक्तों मां सेभूल-चूक के लिए माफी मांगी।

वर्षों पुरानी हैं ऐतिहासिक परंपरा–चिल्हारी के बड़का तालाब में विसर्जन का भव्य नजारा देखने मिला, जहां वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार माँ काली की प्रतिमाओं को विसर्जित किया जाता है। श्रद्धालुओं ने मां को अगले वर्ष फिर से आने का निमंत्रण देकर, 'विसर्जनं न जानामि' जैसे मंत्रों के साथ विधिवत विसर्जन किया।

पुलिस रही मुस्तैद– मां काली विसर्जन चल समारोह जुलूस में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए जगह-जगह पुलिस मुस्तैद रही अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह परिहार स्वयं मोर्चा संभाले रहे और शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील की। इस अवसर विसर्जन ऐतिहासिक जूलूस देखने दूर दराज के गांव के लोग भी शामिल हुए। इस अवसर अमरपुर में पदस्थ डॉक्टर शिव प्रजापति, ग्राम रक्षा समिति के राजर्षि मिश्रा, मधुर चंद्र गुप्ता, जवाहर सोनी, राजेन्द्र गुप्ता, महेंद्र सिंह, दिनेश गुप्ता, किशन सोनी, राम सोनी, रमाकांत तिवारी, हरिओम गुप्ता, बृजेश गुप्ता, प्रशांत सोनी, अखिलेश मिश्रा, विनोद द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

हिंदू-मुस्लिम एकता मंच ने दिया एकता का संदेश

उमरिया। शनिवार को उमरिया के खेर माता रमपुरी में आयोजित जवारा विसर्जन कार्यक्रम इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बना, जब हिंदू मुस्लिम एकता मंच उमरिया द्वारा मां काली का भव्य स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला। मां काली की प्रतिमा के आगमन पर मंच के सदस्यों ने पुष्प वर्षा माल्यार्पण कर स्वागत किया। जय मां काली के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और भक्तिमय माहौल ने सभी को भावविभोर कर दिया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि धर्म चाहे अलग-अलग हों, लेकिन दिलों में एकता और प्रेम होना ही सच्ची ताकत है। जवारा विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और उत्साह के बीच पूरा नगर एक उत्सव में तब्दील नजर आया। यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहज़ीब की एक सुंदर मिसाल बनकर सामने आया। इस अवसर पर हिंदू मुस्लिम एकता मंच के संस्थापक मो. असलम शेर ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल कार्यक्रम में शामिल होना नहीं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना है। धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है। ऐसे आयोजन हमें एक-दूसरे के और करीब लाते हैं और समाज को मजबूत बनाते हैं।

आयोजन आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं : कोल–इस अवसर पर हिंदू मुस्लिम एकता मंच संयोजक राजेंद्र कोल ने कहा कि हिंदू मुस्लिम एकता मंच हमेशा सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। हमारा लक्ष्य समाज में प्रेम, शांति और सौहार्द बनाए रखना है। इस तरह के आयोजन आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं और समाज को एकजुट करते हैं। इस कार्यक्रम में मंच के सक्रिय सदस्य हनीफ खान, मो. मंसूर, राजेंद्र कुशवाहा, कृष्ण कांत तिवारी, आकाश पंडित सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आरोप | ग्रामीणों ने जिम्मेदारों पर लगाया लापरवाही व भ्रष्टाचार का आरोप

सिर्फ कागजों में लहरें मार रहा जल गंगा संवर्धन अभियान

नवभारत, चिल्हारी, उमरिया। जल ही जीवन है, यह जुमला सरकारी दीवारों पर लेखन के लिए तो ठीक है, लेकिन धरातल पर उतरते ही यह सूखा पड़ जाता है। प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए नदियों और पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन जिले के मुलाजिमों ने इस पवित्र अभियान को भ्रष्टाचार की गंगा में डुबोने की पूरी तैयारी कर ली है।

हालांकि अभियान को लेकर साहब की नीयत साफ दिखती है, वे चाहते भी हैं कि गांव-गांव में जल संरक्षण हो, लेकिन साहब के नीचे बैठा अमला अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर काम कर रहा है।

बिना गेट के अपंग साबित हो रहे डैम

मजे की बात यह है कि सबसे बड़ा खेल स्टॉप डैम और चेक डैम के निर्माण में छिपा है। जिले की सभी जनपदों में दर्जनों स्टॉप डैम सीना ताने खड़े हैं, लेकिन वे बिना गेट के अपंग साबित हो रहे हैं। ताज्जुब की बात यह है कि सालों बीत गए, लेकिन इन डैमों में आज तक गेट नसीब नहीं हुए। यह केवल एक लापरवाही नहीं, बल्कि एक गंभीर वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है। तकनीकी नियम साफ कहते हैं कि यदि स्टॉप डैम में गेट नहीं लगते, तो निर्माण को अपूर्ण माना जाता है। इस स्थिति में संबंधित पंचायत सचिव या इंजीनियर पर सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता का मामला बन सकता है लेकिन जिले में बने दर्जनों स्टॉप डैम अपूर्ण होने के बावजूद पूर्ण दिखाकर उनकी फाइलें बंद कर दी गईं हैं। कारण यह कि अगर गेट लगा दिए गए और पानी रुका, तो डैम की दीवारें भ्रष्टाचार का दबाव झेल नहीं पाएंगी। गेट न लगाने के पीछे की असली साजिश यही है कि पानी रुके ही नहीं, ताकि घटिया निर्माण की पोल न खुले।

अमृत सरोवरों में उड़ रही धूल

शासन ने जिले में अमृत सरोवर के नाम पर खजाने का मुंह खोल दिया। जनपदों में अमृत सरोवरों की झड़ी लगा दी गई। दावों की मानें तो यहां अमृत छलकना चाहिए था, लेकिन हकीकत यह है कि इन सरोवरों में धूल उड़ रही है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी शायद ही कोई ऐसा सरोवर हो जहां मवेशियों के कंठ गीले करने लायक भी पानी बचा हो। यह अमृत जनता के काम तो नहीं आया, लेकिन ठेकेदारों और इंजीनियरों के लिए जरूर संजीवनी साबित हुआ है।

टीम बदलने पर दिखेगा विकास

वन विभाग को बोल्डर चेकडेम के लिए, पीएचई को हैंडपंप सुधार के लिए और शिक्षा विभाग को रूफ हार्वेस्टिंग के लिए एवं जनपद स्तर से कई तालाब और चेक डैम, स्टॉप डैम बनाये हैं, ये वही विभाग हैं जिन्होंने पिछले सालों में कागजी तालाब खोदे हैं। अगर आप सच जानना चाहते हैं, तो वर्तमान कार्यों की जांच के लिए उसी विभाग का इंजीनियर मत भेजिए। एक क्रॉस डिपार्टमेंट टेक्निकल टीम बनाइए। जब जल संरक्षण का काम दूसरे विभाग वाला देखेगा, तभी समझ आएगा कि पंचायतों में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा क्या होती है। अभी तो आलम यह है कि बोरी बंधान के नाम पर फोटो खिंचाई जा रही है और असली स्ट्रक्चर बिना गेट के सफेद हाथी बने खड़े हैं। अभी तो ऐसा प्रतीत हो रहा कि अभियान सिर्फ एक इवेंट तक ही सीमित रह गए हैं।

स्वर्ण मंदिर नर्मदा डैम घाट में सेवादारों का स्वच्छता श्रमदान

डिंडौरी, नवभारत 29 मार्च। प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले 'मैया अभियान' स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रातः 7 बजे नगर के प्रमुख स्वर्ण मंदिर नर्मदा डेम घाट पर नर्मदा सेवादारों द्वारा श्रमदान कर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान घाट पर फैली प्लास्टिक पन्नियां, विसर्जन सामग्री तथा दोना-पत्तल को एकत्रित कर हटाया गया। सेवादारों ने पूरे घाट क्षेत्र में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई सुनिश्चित की और घाट को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया। स्वच्छता अभियान के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को नर्मदा नदी में साबुन का उपयोग न करने तथा माँ नर्मदा के जल को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। सेवादारों ने लोगों से अपील की कि वे नदी की पवित्रता बनाए रखने में अपना सहयोग दें। इस सराहनीय पहल में आरपी कुशवाहा, डॉ. संतोष परस्ते, शिक्षक जितेंद्र दीक्षित, प्राचार्य शाहिद खान, प्राचार्य राम विशाल मिथलेश, अरविंद मरावी, जगदीश श्याम, विद्यार्थी विवान प्रधान, निशा साहू, माही बरोतिया एवं महेंद्र उचेहरा सहित अनेक सेवादारों ने मां नर्मदा को समर्पित भाव से श्रमदान किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत करंजिया वि. खं. करंजिया
जिला डिण्डोरी (म.प्र)

साप्ताहिक बाजार निलामी सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता व्यापारी वर्ग एवं इच्छुक ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि साप्ताहिक बाजार करंजिया 01/04/2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए नीलामी हेतु दिनांक 01/04/2026 दिन बुधवार को समय ठीक – 1 बजे ग्राम पंचायत भवन करंजिया में किया जाना है। अत: नियम एवं शर्ते हेतु ग्राम पंचायत भवन सूचना पट्ल का अवलोकन कर सकते हैं।

सचिव
ग्राम पंचायत करंजिया
जनपद पंचायत करंजिया,
जिला डिण्डोरी (म.प्र.)

सरपंच
ग्राम पंचायत करंजिया
वि. खं. करंजिया,
जिला डिण्डोरी (म.प्र)